भाकृअनुप– भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर में दिनांक 27.06.2018 को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

भाकृअनुप– भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर में दिनांक 27.06.2018 को एक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में श्री रणजीत सिंह, सेवानिवृत हिन्दी प्रवक्ता, हि.प्र. स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला ने भाग लिया। इस बैठक में संस्थान के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने उत्साह के साथ बढ़–चढ़ कर भाग लिया। इस हिन्दी कार्यशाला बैठक में सर्वप्रथम स्टेशन प्रभारी ने मुख्य अतिथि महोदय का स्वागत किया एवं अनुसन्धान में हिन्दी के महत्व को बताया। अतिथि महोदय ने हिन्दी की महत्ता को समझाते हुए कहा कि हिन्दी विश्व में तीसरे स्थान पर है और देश की राजभाषा का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होनें यह भी कहा कि हिन्दी अ–अनपढ़ से शुरु होती है और ज्ञ–ज्ञानी बनाती है। वैज्ञानिक स्तर पर हिन्दी का प्रयोग करने से किसानों और सामान्य व्यक्ति को पशुपालन और कृषि व्यवसाय में लाभ पहुँचेगा व आय में वृद्धि होगी। हिन्दी के उपयोग से सूचना का आदान प्रदान भी सरल व प्रभावशाली होगा।

इसके उपरान्त स्टेशन प्रभारी, डा. जी. मल ने हिन्दी संसदीय राजभाषा उप–समिति बैठक में दिये गए दिशा–निर्देशों को सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से सांझा किया। इसमें "क" क्षेत्र में स्थित कार्यालयों द्वारा "क", "ख" तथा "ग" क्षेत्र के केन्द्र सरकार के कार्यालयों के साथ क्रमशः 100%, 100% तथा 65% मूल पत्राचार हिन्दी में किया जाना अपेक्षित है।

इसके उपरान्त डा. बीरबल सिंह, प्रधान वैज्ञानिक ने मुख्य अतिथि महोदय का आभार व्यक्त किया और बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हिन्दी बोलने में किसी प्रकार का संकोच नहीं होना चाहिए। वैज्ञानिक कार्यों में हिन्दी का प्रयोग बढ़ाना चाहिए जिससे किसान भी लाभान्वित हो सकें।

हिन्दी कार्यशाला में डा. यू.एस. पति, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा डा. रिंकु शर्मा, वैज्ञानिक (एस.एस.) ने भी हिन्दी कार्यन्वयन के लिए अपने–अपने सुझाव व्यक्त किये।

REGIONAL STATION PALAMPUR
हिन्दी कार्यशा
HINDI WORKSHO

ICAR-INDIAN VETERINARY RESEARCH INSTITUTE
REGIONAL STATION PALAMPUR (H.P.)
हिन्दी कार्यशाला
HINDI WORKSHOP